

Dr. Randeep Guleria

Dr. Randeep Guleria is the Professor and Head, Department of Pulmonary Medicine and Sleep Disorders at All India Institute of Medical Sciences, New Delhi where he has been working since the last 23 years. Dr. Guleria is the first Indian to get a Doctorate of Medicine (DM) in Pulmonary and Critical Care Medicine. He has done pioneering work in respiratory medicine and has been instrumental in creating the Department of Pulmonary Medicine and Sleep Disorders at the All India Institute of Medical Sciences. Under his guidance the DM course in this discipline has been started at the Institute.

2. Born on April 5, 1959, Dr. Guleria received his M.B.B.S. degree from Indira Gandhi Medical College, Shimla in 1982. He then did his M.D. in Medicine in 1984 and D.M. in Pulmonary and Critical Care Medicine in 1991 from Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh. He then joined the All India Institute of Medical Sciences in 1992 and has been working as a consultant there since then.

3. Dr. Guleria has been a member of many key committees in the Government of India including the Joint Monitoring Committee to monitor outbreaks of new diseases including Pandemics, Bird Flu, Ebola etc., Government of India committee to formulate National policy to control antibiotic resistance in India. He has been an Advisor to the World Health Organization(WHO), Scientific Advisory Group of Experts (SAGE), on "Influenza Vaccination and Immunization" from 2010 to 2013. He has been a consultant to International Atomic Energy Agency (IAEA), Vienna on Radiation Protection in Medicine since 2007. He has been invited by the European Commission and the IAEA to their International Workshop in Brussels in 2009 and by the WHO and IAEA to attend their International Conference on Radiation Protection in Medicine. He has worked at the prestigious Royal Brompton Hospital, London.

4. Dr. Guleria has more than 300 publications in international and national journals to his credit and has written more than 20 chapters in books. He has delivered more than 200 lectures in international and national conferences. He has been invited by the American College of Chest Physicians as a faculty to their Annual International Conference in Chicago.

5. Dr. Guleria has several awards to his credit notably the Association of Physicians EMerck award for research in Chest Diseases, Raj Nanda and Royal College of Physicians Joint fellowship in Pulmonary Diseases, Dr. Mahinder Narain Oration, Indian Chest Society Dr. C.V. Ramakrishnan Oration award for his outstanding contribution in Respiratory Diseases, Academy of Respiratory Medicine Dr. P. S. Shankar Oration, Dr. Reddy's Chest Oration awarded by the National College of Chest Physicians. He was awarded the Zee TV and LIC "Swasth Bharat Award" in 2010 and has received the Himachal Gaurav Award in 2011. He has been Personal Physician to the Prime Minister of India Shri Atal Bihari Vajpayee from 1998 to 2004 and has since continued to be his Personal Physician.



डॉ. रणदीप गुलेरिया

डा. रणदीप गुलेरिया अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में प्रोफेसर और फुफ्फुस चिकित्सा विज्ञान तथा निद्रा विकार विभाग के अध्यक्ष हैं, जहां आप पिछले 23 वर्षों से कार्य कर रहे हैं। आप ऐसे पहले भारतीय हैं जिन्हें पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन में चिकित्सा विज्ञान के डॉक्टर की उपाधि प्राप्त हुई। आपने श्वसन चिकित्सा विज्ञान में पथप्रदर्शकीय कार्य किया है और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में फुफ्फुस चिकित्सा विज्ञान एवं निद्रा विकार विभाग के सृजन में अहम भूमिका निभाई। आपके मार्गदर्शन में, इस संस्थान में उक्त विषय में डी एम पाठ्यक्रम शुरु किया गया है।

2. आपका जन्म 05 अप्रैल 1959 को हुआ था। आपने अपनी एम बी बी एस की उपाधि वर्ष 1982 में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला से प्राप्त की थी। इसके बाद आपने वर्ष 1984 में मेडिसिन में एम डी की उपाधि और वर्ष 1991 में परास्नातक चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ से फुफ्फुस एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन में डॉक्टरेट ऑव मेडिसिन की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद वर्ष 1992 में आपने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में कार्य करना आरंभ किया और तब से एक परामर्शदाता के रुप में कार्यरत हैं।

3. आप भारत सरकार में, देशान्तरगामी महामारियों, बर्ड-फ्लू, ई-बोला आदि नई बीमारियों के प्रकोप की निगरानी हेतु संयुक्त निगरानी समिति; भारत में प्रतिजैविकी प्रतिरोध नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय नीति के सूत्रण के लिए भारत सरकार की समिति सहित कई एक महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य रहे हैं। आप वर्ष 2010 से 2013 तक "इन्फ्लुएंजा वैक्सीनेशन एवं इम्यूनाइजेशन" पर विश्व स्वास्थ्य संगठन, साइंटिफिक एडवाइजरी ग्रुप ऑव एक्सपर्टस (एस ए जी ई) के सलाहकार रहे हैं। आप वर्ष 2007 से, औषधि में विकिरण संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आइ ए ई ए), वियना के परामर्शदाता हैं। आपको वर्ष 2009 में यूरोपियन कमीशन तथा अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी ने ब्रूसेल्स में आयोजित अपनी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के लिए और विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा आई ए ई ए द्वारा औषधि में विकिरण-सरंक्षण पर आयोजित अपने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। आपने प्रतिष्ठित रॉयल ब्राम्प्टन अस्पताल, लंदन में भी कार्य किया है।

4. आपको अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में 300 से भी अधिक प्रकाशनों का श्रेय जाता है और आपने पुस्तकों के 20 से भी अधिक अध्यायों का लेखन किया है। आपने अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों में 200 से भी अधिक व्याखान दिए हैं। आपको, अमेरिकन कॉलेज ऑव चेस्ट फिजिसियंस द्वारा शिकागो में आयोजित अपने वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक संकाय (फैकल्टी) के रुप में आमंत्रित किया गया था।

5. आपको कई एक पुरस्कारों से नवाजा गया है, जिनमें से छाती की बीमारियों में अनुसंधान के लिए एॅसोसिएशन ऑव फिजीसियंस ई.मर्क. अवार्ड; फुफ्फुस बीमारी में राजनंदा तथा रॉयल कॉलेज ऑव फिजिशियंस की संयुक्त फेलोशिप; डा. महिन्दर नारायण ओरेशन; श्वसन संबंधी बीमारियों में आपके उत्कृष्ट योगदान के लिए इंडिया चेस्ट सोसायटी द्वारा डा. सी वी रामकृष्णन ओरेशॅन अवार्ड; अकादमी ऑव रेस्पिरेटॅरी मेडिसिन डा. पी.एस. शंकर ओरेशन; तथा नेशनल कॉलेज ऑव चेस्ट फिजिसियंस द्वारा पुरस्कृत डा. रेड्डी चेस्ट ओरेशन उल्लेखनीय हैं। आपको वर्ष 2010 में 'जी-टीवी' तथा एल आई सी द्वारा "स्वस्थ भारत अवार्ड" से सम्मानित किया गया और वर्ष 2011 में हिमाचल गौरव पुरस्कार प्राप्त हुआ। आप वर्ष 1998 से 2004 तक भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई के निजी चिकित्सक भी रहे हैं और तबसे आप उनके निजी चिकित्सक बने हुए हैं।